Regarding shortage of fertilizer

श्री हरेन्द्र सिंह मलिक **(**मुज़फ़्फ़रनगर**) :** सभापति महोदया, पूरे देश में किसानों का खाद के नाम पर शोषण किया जा रहा है और सरकार कान में तेल डाल कर बैठी है । किसान, जो अपनी फसल के लिए डाई की खाद लेता है, डाई की शॉर्टेज है, उसके साथ हमारी कोऑपरेटिव सोसाइटी, आईपीएल, कृभको, इफ्को दो मानक पोटाश दे रही है, जिसमें मात्र साढ़े 14 पर्सेंट पोटाश है ।

किसान को 1500 रुपये में 60 पर्सेंट पोटाश का 50 किलो का बैग मिलता था । अब साढ़े सात सौ रुपये में साढ़े 14 पर्सेंट का बैग मिलता है । इस प्रकार 60 पर्सेंट का पोटाश लेने के लिए किसान को तीन हज़ार रुपये देने पड़ते हैं, डबल पैसा देना पड़ता है और दुख इस बात का है कि कोऑपरेटिव सोसाइटी उन लोगों से वह खाद खरीद कर, जो कारखाने की राख ले कर, राख में प्राकृतिक रूप से पोटाश होता है, उस राख को बैग में बंद कर बेचती है और मेरे जिले में पांच कारखाने हैं । वे कोऑपरेटिव के, इफ्को के, कृभको के, आईपील के माध्यम से बेच रहे हैं । करोड-अरबों रुपया कमाया है, किसान लुट रहा है । अकेले राजस्थान में, 20 हज़ार टन की बजाय 60 हज़ार टन पोटाश बेच दिया गया है ।

मान्यवर, किसानों का बेहद शोषण है । मेरा आपसे अनुरोध है कि अधोमानक पोटाश बेच कर के पैसा कमाने वालों के खिलाफ विधिक कार्यवाही की जाए ।? (व्यवधान)